>

Title: Need to provide special financial assistance for the drought-prone areas of Maharashtra.

श्री राजू शेट्टी (हातकंगले) : महाराष्ट्र के 69 तहसीलों में इस साल औसत पचास प्रतिशत से भी कम बारिश हुई है, और आगे भी बारिश होने की संभावना कम है। पश्चिमी महाराष्ट्र का पूर्वोत्तर प्रदेश, मध्य व पूर्वोत्तर खानदेश, पश्चिमी मराठवाड़ा और पश्चिमी विदर्भ, ये हमेशा सूखाग्रस्त रहते हैं या बारिश बहुत ही कम होती है। सिंचाई के प्रकल्प (प्रोजेक्ट) ना के बराबर है। यहां पानी और घास (चारा) के बिना पालतू जानवर भूखे मर रहे हैं। यह संकट अगले मानसून तक यानि जून, 2013 तक रहने की आशंका है।

दूसरी ओर भूगर्भ के जल का स्तर 500 फीट से भी नीचे जा चुका है। इसलिए अधूरे सिंचाई प्रकल्प के साथ–साथ नदियों को जोड़ने के अधूरे प्रकल्प और रेन वॉटर हॉर्वेस्टिंग की योजनाओं को तुंत कार्यान्वित करने की आवश्यकता है। प्रदेश में निधि आवंटित करते समय इस सूखाग्रस्त इलाकों के हितों का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा गया है। यहां हमेशा बारिश कम होती है और सिंचाई की सुविधा भी नहीं है। इस प्रदेश के पुनर्विकास के लिए एक स्वतंत्र "अकाल निगम " (ड्रॉट कॉरपोरेशन) बनाकर इस प्रदेश के पुनर्विकास के लिए इस निगम को केन्द्र सरकार द्वारा "विशेष वित्तीय सहायता निधि" देने की नितांत आवश्यकता है।